भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †5212

सोमवार, 4 अप्रैल, 2022/14 चैत्र, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

प्रमाणित पर्यटक सुविधा प्रदाताओं का पूल बनाने के लिए प्रस्ताव

†5212. श्री गौतम गंभीरः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार प्रमाणित पर्यटक सुविधा प्रदाताओं का एक पूल बनाने के लिए किसी प्रस्ताव या योजना पर विचार कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय ने अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम नामक एक डिजिटल पहल की शुरूआत की है जिसका लक्ष्य देशभर में सुप्रशिक्षित तथा पेशेवर पर्यटक सुविधाप्रदाताओं का एक समूह सृजित करने के उद्देश्य से ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म तैयार करना है। इस प्रणाली में अभ्यर्थियों के लिए मूलभूत, उच्च (विरासत तथा एडवेंचर), मौखिक भाषा और पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों का प्रावधान है। अभ्यर्थी इन ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को कहीं से भी, किसी भी समय और अपनी गति के अनुसार पूरा कर सकते हैं। ये ऑनलाइन पाठ्यक्रम विभिन्न डिजिटल उपकरणों के माध्यम से किए जा सकते हैं। पाठ्यक्रम के सफल समापन पर अभ्यर्थी व्यावसायिक रूप से प्रमाणित पर्यटक सुविधाप्रदाता बन जाएगा जो पर्यटकों के बीच सूचना के प्रसार, अपने देश के लिए उनमें रूचि जगाने और अनुभवजन्य पर्यटन उपलब्ध कराकर पर्यटकों की सहायता करेगा। यह कार्यक्रम दिनांक 1 जनवरी, 2020 से ऑनलाइन रूप से उपलब्ध कराया गया है। यह प्रमाणन कार्यक्रम भारतीय पर्यटन संस्थान एवं यात्रा प्रबंधन (आईआईटीटीएम), ग्वालियर द्वारा संचालित किया गया है।

आईआईटीएफसी कार्यक्रम के लिए न्यूनतम पात्रता 18 से 40 वर्ष के आयु वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 10+2 और 40 वर्ष से अधिक आयु के अभ्यर्थियों के लिए 10वीं कक्षा है। पंजीकरण शुल्क 2000/- रु. है जिससे अ.जा./अ.ज.जा. समुदाय के अभ्यर्थियों, लद्दाख, जम्मू एवं कश्मीर तथा नीति आयोग द्वारा घोषित महत्वाकांक्षी जिलों के निवासियों को छूट प्राप्त है।

क्षेत्रीय स्तर के गाइडों (आरएलजीएस) को भी इस कार्यक्रम के उच्च चरण (आईआईटीजी- विरासत) में शामिल किया गया है और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पूरा करने पर उनका नाम बदलकर अतुल्य भारत पर्यटक गाइड (आईआईटीजी) कर दिया गया है।

दिनांक 28.03.2022 तक की स्थिति के अनुसार आईआईटीएफसी के पोर्टल पर पंजीकरण की कुल संख्या 11533 है। मूलभूत आईआईटीएफसी कार्यक्रम के दो बैच आयोजित किए जा चुके हैं और 3071 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है। कुल 1549 आरएलजीएस ने भी भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को पूरा किया है।

****